

শ্রীঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।
বেদান্তাচার্যরর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি ॥

শ্রী শঙ্করাচার্য রিরচিতম্
॥শ্রী অচ্যুতাস্টকম্ ॥

This document has been prepared by*
Sunder Kidambi
with the blessings of
শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্
His Holiness śrīmad āṇḍavan of śrīraṅgam

*This was typeset using Bengali for T_EX.

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
॥ श्री अच्युताष्टकम् ॥

राघरं करुणाकरं मुनिसेरितं सुररन्दितं
जानकीरदनारविन्ददिराकरं गुणभाजनम् ।
बालिसूनुहितैषिणं हनुमतप्रियं कमलेक्षणं
यातुधानभयकरं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ १ ॥

मैथिलीकुचभूषणामल नीलमोक्तिकमीश्वरं
रावणानुजपालनं रघुपुष्परं मम दैरतम् ।
नागरीरनिताननाम्बुजबोधनीयदिराकरं
सूर्यरंशरिर्धनं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ २ ॥

हेमकुण्डलमण्डितामलकठदेशमरिन्दमं
शातकुम्भ मयूरनेत्रविभूषणेन विभूषितम् ।
चारुनूपुरहारकौस्तुभकर्णभूषणभूषितं
भानुरंशरिर्धनं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ ३ ॥

दण्डकाख्यरने रतामरसिद्धयोगिगणश्रयं
शिष्टपालनततपरं धृतिशालिपार्थकृतस्तुतिम् ।
कुम्भकर्णभुजाभुजस्परिकर्तने सुरिशारदं
लम्बुगानुजवतसलं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ ४ ॥

केतकीकररीरजातिसुगन्धिमाल्यसुशोभितं
श्रीधरं मिथिलाञ्जकुचकुण्डकुमारुणरक्षसम् ।
देवदेवमशेषभूतमनोहरं जगतां पतिं
दासभूतभयापहं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ ५ ॥

यागदानसमाधिहोमजपादिकर्मकरैर्द्विजैः
रेदपारगतैरहर्निशमादरेण सुपूजितम् ।
ताटकारधहेतुमद्गततबालिनिषूदनं
पैतृकोदितपालकं प्रणमामि राघरकुञ्जरम् ॥ ६ ॥

লীলযা খরদূষণাদিনিশাচরাশুরিনাশনং
 রাবগান্তকমচ্যুতং হরিয়থকোটীগণাশ্রযম্।
 নীরজাননমম্বুজাঙ্ঘ্রিয়ুগং হরিং ভূবনাশ্রযং
 দেবকাযবিচক্ষণং প্রণমামি রাঘবকুঞ্জরম্ ॥ ৭ ॥

কৌশিকেন সুশিক্ষিতাস্ত্রকলাপমায়তলোচনং
 চারুহাসমনাথবন্ধুমশেষলোকনিরাসিনম্।
 বাসবাদিসুরারিরাবণশাসনং চ পরাঙ্গতিং
 নীলমেঘনিভাকৃতিং প্রণমামি রাঘবকুঞ্জরম্ ॥ ৮ ॥

রাঘরাষ্টকমিষ্টসিদ্ধিদমচ্যুতশ্রযসাধকং
 মুক্তিভুক্তিফলপ্রদং ধনধান্যসিদ্ধি বিবর্ধনম্।
 রামচন্দ্রকৃপাকটাক্ষদমাদরেণ সদা জপেত্
 রামচন্দ্রপদাম্বুজদ্বয় সন্ততর্পিতমানসঃ ॥ ৯ ॥

রাম রাম নমোস্তু তে জয় রামভদ্র রমোস্তু তে
 রামচন্দ্র নমোস্তু তে জয় রাঘবায় নমোস্তু তে।
 দেবদেব নমোস্তু তে জয় দেবরাজ নমোস্তু তে
 বাসুদেব নমোস্তু তে জয় বীররাজ নমোস্তু তে ॥ ১০ ॥

॥ইতি শ্রী অচ্যুতষ্টকম্ সমাপ্তম্ ॥